12.56 hrs.

Title: Regarding reported Caricatures of Prophet Mohammad and Hazrat Abu Bakar Sidiuq Appearing in the Newspaper "The Hindu".

श्री राशिद अलवी (अमरोहा) : उपाध्यक्ष जी, 24 नवम्बर को 'हिन्दू' अखबार के अंदर प्रोफेट हज़रत मोहम्मद साहब का कार्टून छपा और यह इतना खौफनाक और खतरनाक मामला है और मल्होत्रा साहब ने कहा कि इन लोगों ने नोटिस नहीं दिया है लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि मैंने इसका नोटिस होम मिनिस्टर ऑफ इंडिया को और ब्रॉड कॉस्टिंग मिनिस्टर को दिया और मैंने कहा कि मैं ज़ीरो ऑवर में इस मामले को उठाना चाहता हूं। सरकार इस मामले में कार्रवाई करे और इंफॉर्मेशन कलैक्ट करे। परसों अलीगढ़ के अंदर यह मामला इतना खतरनाक होता जा रहा है और यह इतना संवेदनशील मामला है कि सारा देश जानता है कि 'हिन्दू' अखबार की सैकुलर इमेज है। यह किस तरीके से छपा है? हज़रत मोहम्मद साहब का कार्टून और अबुबकर साहब का कार्टून तीन दिन पहले उठाया भी गया था लेकिन सरकार इतनी गैर-जिम्मेदार है कि न तो गृह मंत्री जी ने हाउस में आने की जहमत गवारा की और न ब्रॉडकॉस्टिंग मिनिस्टर ने हाउस में आने की ज़हमत गवारा की। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि इससे पूरे देश के अंदर आग लग सकती है। यह मामला सिर्फ हिन्दुस्तान का नहीं है बल्कि पूरी दुनिया का मामला है। मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि इस अखबार की कॉपी पर पाबंदी लगाई जाये और इस कार्टूनिस्ट के खिलाफ क्रिमिनल केस चलाया जाये और गिरफ्तारी की जाये। मैं चाहता हूं कि â€¦ (व्यवधान)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : मैं आपको सपोर्ट कर रहा हूं।â€¦ (व्यवधान)

श्री राशिद अलवी (अमरोहा) : ठीक है, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं लेकिन सरकार का जो एटीट्यूड है,â€¦ (व्यवधान)

महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार का व्यवहार बहुत गलत है। नोटिस देने के बाद भी सरकार की तरफ से कोई आने को तैयार नहीं है। यहां मंत्री जी बैठे हैं वह इस पर कुछ कहें।â€¦ (व्यवधान)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : मैं भी इसका सपोर्ट करता हूं। महोदय, मैं इस पर बोलना चाहता हूं।â€¦ (व्यवधान)

SHRI G.M. BANATWALLA (PONNANI): Sir, it is a serious matter. The Government should make a statement as to what it is doing. This matter cannot be pushed aside. It is a serious thing. The sentiments of the Muslims are hurt. The cartoon of the Prophet Mohammed and his companion has been published and published under the heading `Popcorn'. These are entirely irreverent and sacrilegious things. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The Minister wants to respond on this.

SHRI G.M. BANATWALLA : The Government has to make a statement as to what it is doing. ...(*Interruptions*)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : उपाध्यक्ष महोदय, जो मामला उठाया गया है यह सचमुच में बड़ा गंभीर मामला है और इस्लाम के मानने वालों के लिए बहुत आहत करने वाला है। पैगम्बर साहब, जिसका दुनिया में सब आदर करते हैं, उनका केरीकेचर छापना बहुत ही गलत है। किसी भी धार्मिक व्यक्ति के लिए, खास तौर से जो इन्हें मानते हैं, उनके लिए इस तरह करना ठीक नहीं है। दुनिया भर में केरीकेचर छापने पर प्रतिबंध है। जिस अखबार ने यह छापा है उसके उस हिस्से पर प्रतिबंध लगना चाहिए। उसने अगले दिन माफी मांगी और फ्रंट पेज़ पर वे सब बातें हैं, इसलिए मेरा कहना है कि उसके उस हिस्से पर प्रतिबंध लगना चाहिए। मैं माननीय सदस्य की बात से पूरी तरह सहमत हूं।

SHRI E. AHAMED (MANJERI): There is a distortion of history also. I am sorry to say that this has appeared in a newspaper like `*The Hindu*'. ...(*Interruptions*)

SARDAR BUTA SINGH (JALORE): This cannot satisfy the House. Let there be a statement from the Home Minister. Let him go through the whole thing. ...(*Interruptions*)

SHRI E. AHAMED : It is not only affecting the Muslims of our country but one billion Muslims all over the world would protest against this. We are sorry that it has been published in a newspaper like `*The Hindu'*. `*The Hindu'* is not like this. They must appreciate our sensitivity. This is a very highly sensitive issue. This cannot be brushed aside like this. ...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI CH. VIDYASAGAR RAO): Sir, on behalf of the Ministry, I would like to say that we have seen both the statements, that is, statements reported on 24th November, 2001 and also on 25th November, 2001. It is a fact that in the supplement − Young World − on 24th November, 2001, an incident was narrated in the life of the Prohphet Mohammed, which included illustrations offensive of the Islamic traditions. What had happened is an unfortunate thing. Important Members of the Muslim community expressed a sense of anguish. ...(*Interruptions*) Based on this, `*The Hindu'* has apologised for its publication, stating that it was published inadvertently. The apology was widely published in the first page, as Shri Malhotra has just said, on 25th November, 2001. ...(*Interruptions*)

SHRI RASHID ALVI : They have published the apology, but it is not sufficient. कम से कम पेपर के उस हिस्से के ऊपर सरकार को पाबंदी लगानी चाहिए। उस पर पाबंदी क्यों नहीं लग रही है?

MR. DEPUTY-SPEAKER: Hon. Members, I have to make an announcement.â€¦ (*Interruptions*)